## उपसंहार

आज दुनिया दिन–प्रतिदिन उत्तरोत्तर विकास करती जा रही है। पत्रकारिता अति महत्वपूर्ण एवं बौद्धिक–विवेचन युक्त कार्य है। पत्रकारिता का उद्देश्य हर क्षण होने वाले नए–नए परिवर्तनों की जानकारी, तथ्यों की सुप्राप्ति और उनका समुचित रूप से मूल्यांकन करना उसके पश्चात् प्रस्तुतीकरण करना है। यह समाचार प्रस्तुत करके लोगों को जाग्रत करता है। यह जनसाधारण को उसके कर्तव्यों का बोध कराकर, शासक वर्ग को भी समय–समय पर चेतावनी देता है। **स्पष्टता और पारदर्शिता** इसके प्राण तत्व हैं। नगरों या महानगरों से जो समाचार पत्र निकल रहे हैं उसमें अपनी अंचल की घटनाओं पर दृष्टि केन्द्रित करते हैं। पत्रकारिता 'सूचनाओं का भण्डार' है। शिक्षा का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के ज्ञान, आदर्शों, आदतों रुचियों एवं शक्तियों का विकास करके अच्छे चरित्र का निर्माण करना है। इससे ही विद्यार्थियों की संस्कार वृद्धि होकर सांस्कृतिक महानता बढ़ती है। शिक्षा के द्वारा अपनी समस्याओं का समाधान करते हैं, जीव और जगत् की गुत्थियों को सुलझाता है, मानवोचित उद्देश्यों की प्राप्ति के साधन जुटाता है, उच्च आदर्शों की उपलब्धि हेतु अग्रसर होता है। शिक्षा से ही नैसर्गिक एवं आत्मिक शक्तियों का अनुसन्धान करके अपने वैयक्तिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय जीवन का सम्यक् विकास करने में सफलता प्राप्त करता है। शिक्षा से ही भविष्य निर्धारित होता है।

शिक्षा और पत्रकारिता का संबंध बहुत पुराना और घनिष्ट भी है। श्रेष्ठ पत्र–पत्रिकाएँ और साहित्यिक कृतियाँ कई सृजनशील संदेश देकर लोगों को अपनी ओर खींचती हैं। इससे पत्रकारिता और शिक्षा की आत्मीयता बढ़ती है। पत्र–पत्रिकाओं में कम से कम दस से पन्द्रह प्रतिशत तक का स्थान शैक्षिक समाचारों को मिलना चाहिए। शिक्षा ही एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें सर्वाधिक व्यक्ति जुड़े हुए हैं अतः पत्रकारिता के द्वारा इसके उत्थान व विकास के लिए उचित

ध्यान देना ज़रूरी है। शिक्षा के विकास के साथ–साथ पत्रकारिता प्रगति की राह पर अग्रसर होती जा रही है।

पहले प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से शिक्षा का प्रचार–प्रसार ज्यादा नहीं था। आजकल, शिक्षित व्यक्तियों और तकनीकी विकास के कारण प्रचार–प्रसार बढ़ता है। इसमें आगे वृद्धि के लिए शिक्षा के महत्व और उससे होनेवाले लाभ को समाज में प्रसारित करना चाहिए। इससे उसकी प्रतिभा विकसित होती है और मेघा बनती है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भी हमें बहुत सूचनाएँ मिलती हैं। जैसे किस विश्वविद्यालय में कौन–सा पाठ्यक्रम अच्छा है उसे पढ़ने से कितना लाभ हो सकता है और क्या संभावनाएँ हैं। इससे भूत और वर्तमान काल की तुलना कर सकते हैं। जैसे होम साइन्स {ग्रह विज्ञान} के लिए भारत में अविनाशिलिंगम विश्वविद्यालय ही सर्वोत्तम है।

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में इंटरनेट पत्रकारिता एक मील का पत्थर है। इसमें पाठशाला से लेकर विश्वविद्यालय तक संबंधित सभी जानकारियाँ, सामाजिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक अध्ययन, वाणिज्य, निर्यात–आयात, सूचना प्रौद्योगिकी सभी विषयों से संबंधित सूचनाएँ और जानकारियाँ उपलब्ध हैं। इसमें सभी वर्ग के लिए समाचार है। सब लोग अपनी रुचि के अनुसार समाचार पढ़कर शिक्षित होते हैं। वेबसाइट पर सभी भाषाओं के विधागत साहित्य जैसे–नाटक, कहानी, मुक्तक, गजल कविता, संस्मरण, समीक्षा, लघुकथा, हास्य–व्यंग्य,जीवनियाँ, बाल साहित्य, ललित निबंध, उपन्यास आदि सुगमतापूर्वक उपलब्ध हैं यह उपलब्धता मानव के विकास में और ज्ञान में वृद्धि करता है। इलेक्ट्रॉनिक अखबार टेक्नॉलाजी की प्रगति का प्रतीक है। इसमें न केवल देश–विदेश की तकनीकी प्रगति का स्तर प्रयुक्त होगा वरन् इन अखबारों के पाठक–वर्ग का शैक्षिक एवं बौद्धिक स्तर तथा तकनीकी ज्ञान स्तर भी समुन्नत होता है।

शिक्षा के द्वारा व्यक्ति के विकास को चित्र द्वारा दर्शाया गया है–

## शिक्षा के द्वारा व्यक्ति का विकास

अशिक्षित व्यक्ति

शिक्षित व्यक्ति

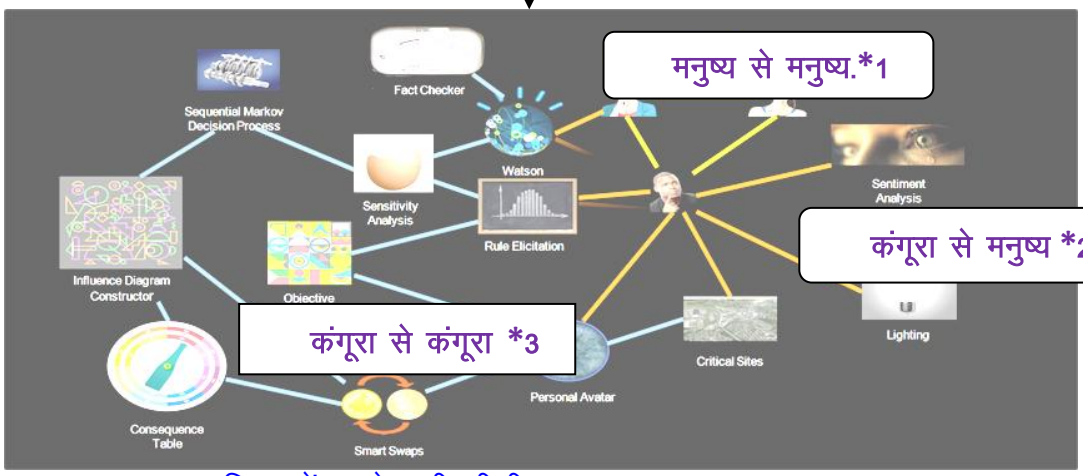


भविष्य में आनेवाली पीढ़ी का स्वरूप*1.Human to Human

*2. Cog to Human *3. Cog to Cog

पत्रकारिता किसान वर्ग से लेकर बड़े–बड़े पेशेवालों के लिए सुयोग्य समाचार प्रस्तुत करके उनको अपने पेशे में निपुण होने के लिए सहायता करती है। हर व्यक्ति कामकाजी होता है, चाहे वह घरेलू हो या बाहर कामकाजी हो उसके अंदर काम करने की निपुणता होती है। मनुष्य शिक्षित हो या अशिक्षित उसके अंदर एक प्रवृत्ति होगी। कोई भी व्यक्ति वह कैसा भी हो, शिक्षा प्राप्त करने से ही उसकी भाषा में सरलता, व्यवसायिक चतुराई और बुद्धि कौशल बढ़ता है। नारी वर्ग के लिए शिक्षा अत्यावश्यक है। एक नारी शिक्षित होने पर वह अपनी पीढ़ी को शिक्षित करती है। अध्यापक वर्ग समाज का स्तम्भ हैं क्योंकि इनकी वजह से शिक्षा का प्रचार–प्रसार ज्यादा है। अध्यापक राष्ट्र का संस्कृति रूपी उद्यान का चतुर माली है। वह छात्र के संस्कार की जड़ों में खाद देता है। अपने श्रम से सींच–सींचकर उन्हें महाप्राण बनाता है। अध्यापक  ही समाज के स्तंभ है। इनको प्रशिक्षण देने पर शिक्षा का प्रचार–प्रसार व्यापक होता है। उनके विचारों को उत्तेजित करना है, उत्साह बढ़ाना है। विशेष प्रकार की संगोष्टियों और कार्य–शालाओं से शिक्षा का प्रचार–प्रसार बढ़ता है। लोगों के विचारों में परिवर्तन चाहिए। जो भी साधन मौजूद है उसका ठीक तरीके से उपयोग करना चाहिए। यह पत्रकारिता से ही संभव है। पत्रकारिता जीवन के विविध पक्षों से जुड़ी है और उसकी समस्याओं और समाधानों को प्रस्तुत करती है। यह अलग–अलग अंचलों की अलग–अलग भाषाओं के संपूर्ण समाचार पत्र प्रस्तुत करते हैं। अपनी रुचि की भाषा में पढ़ने से लोग अधिक उत्साहित होकर उसे पढ़ते हैं।

## शिक्षित लोगों का मूल्यांकन (प्रतिशत)

### (0....100)प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम द्वारा शिक्षा का विकास

पत्रकारिता में शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है। आजकल सभी देशी भाषाओं में अच्छे समाचार–पत्र निकलते हैं। शिक्षा प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली माध्यम प्रिंट और इलेक्टॉनिक माध्यम है। इसके साथ ही शिक्षा प्राप्त करने के लिए तीन प्रमुख आधर–**निरीक्षण, अभ्यास और अध्ययन।**

स्वतंत्रता के पहले प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ही शिक्षा का विकास30% हुआ है। स्वतंत्रता के बाद इसका विकास 50% हुआ है। आज के युग में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम द्वारा शिक्षा का विकास 60% हुआ है। आगे भविष्य में इसका विकास तो 90%तक होना चाहिए। इस परिणाम के लिए शिक्षा के लिए जो स्थान अभी समाचार पत्र में उपलब्ध है उसको और भी बढ़ाना चाहिए। शिक्षा से संबंधित विषय आजकल रोज़ मिलते हैं पर खासतौर पर

विद्यार्थियों के लिए कहानियाँ, कविताएँ, चुटकुले, सृजनात्मक कार्य हफते में दो या तीन बार ही उपलब्ध हैं। आगे भविष्य में इसे प्रतिदिन छापने का प्रयास करना चाहिए। बच्चों द्वारा लिखी गयी कहानी, कविता और उनके द्वारा बनाये गये रंग–बिरंगे चित्र इसे रोज़ प्रकाशित करने चाहिएताकि उनकी उत्सुकता बढ़े और अधिक पुष्ट रूप से कार्य करने के लिए मन लगाकर पढ़ें और लिखते रहें।निर्यात–आयात से संबंधित विषय भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसे और भी बड़े आकार में छापना है। जिससे इसका महत्व और बढ़ें।भविष्य में घरेलू संबंधी विषयों पर भी ज्यादा ध्यान देना चाहिए जिससे महिलाएँ लाभ उठा सके। बैंकिंग परीक्षा या अन्य सरकारी परीक्षा के लिए प्रश्नोत्तर हफते में एक या दो बार ही छापते हैं। इसके लिए पत्र–पत्रिकाओं में एक अलग कॉलम देकर रोज़ प्रकाशित करना चाहिए।

पाठशालाओं, महाविद्यालयों, विश्व विद्यालयों और विभिन्न शिक्षा संस्थानों के द्वारा लोग शिक्षा प्राप्त करते हैं। विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं, संगोष्ठियों तथा वक्तव्यों से हम शिक्षित होते हैं। आजकल प्रवेश,बैंकिंग,पी.एस.सी,प्रतियोगिता और सामान्य परीक्षाओं के प्रश्न और उत्तर भी प्रस्तुत करते हैं। इससे सरकारी नौकरी मिलने में सुविधा होती है। शिक्षित होने के साथ–साथ आम जनता भी अपने स्तर को बढ़ाने में सक्षम होती है।

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम जैसे रेडियो, टी.वी और संगणक से भी शिक्षा का प्रचार–प्रसार होता है। इसमें आगे वृद्धि के लिए शिक्षा से संबंधित कार्यक्रम और विषयों का निरीक्षण करके प्रस्तुत करना चाहिए। बच्चों को भी अपने माता पिताके साथ बैठकर शिक्षा से संबंधित कार्यक्रमों को देखना चाहिए। जिससे उनको उससे संबंधित हानि–लाभ के बारे में अच्छी तरह ज्ञान मिल सकें। बच्चों के लिए स्कूल में कहानी बताने के बदले उसे कार्टूनों के द्वारा प्रस्तुत करें ताकि वह अधिक लाभदायक हो। आजकल के विद्यार्थियों के लिए रामायण, महाभारत,

बैबिल, कुरान आदि से संबंधित विषय भी दूरदर्शन या इंटरनेट के माध्यम से प्रस्तुत करने पर बौद्धिक विकास के साथ–साथ नैतिक विकास भी बढ़ेगा।इंटरनेट के माध्यम से एक ही विषय नहीं बल्कि हरेक विषय बहुत उपयोगी हैं। जैसे सिलाई से संबंधित विषय या डिज़ाइन को एक क्लिक में चित्र के साथ और यू–ट्यूब से भी उपलब्ध कर सकते हैं। इससे महिलाओं का व्यक्तित्व विकसित होता है। आगे इसके बारे में जानकारी भी सभी लोगों को उपलब्ध कराना है। इसके लिए सस्ते दाम में केन्द्र
खोलने चाहिए। जिसके द्वारा सब लोग प्रशिक्षण पा सकें। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तकखासतौर पर सेवानिवृत्त लोग भी इसका उपयोग कर सकें।

**शिक्षा के प्रचार–प्रसार में पत्रकारिता का योगदान :**

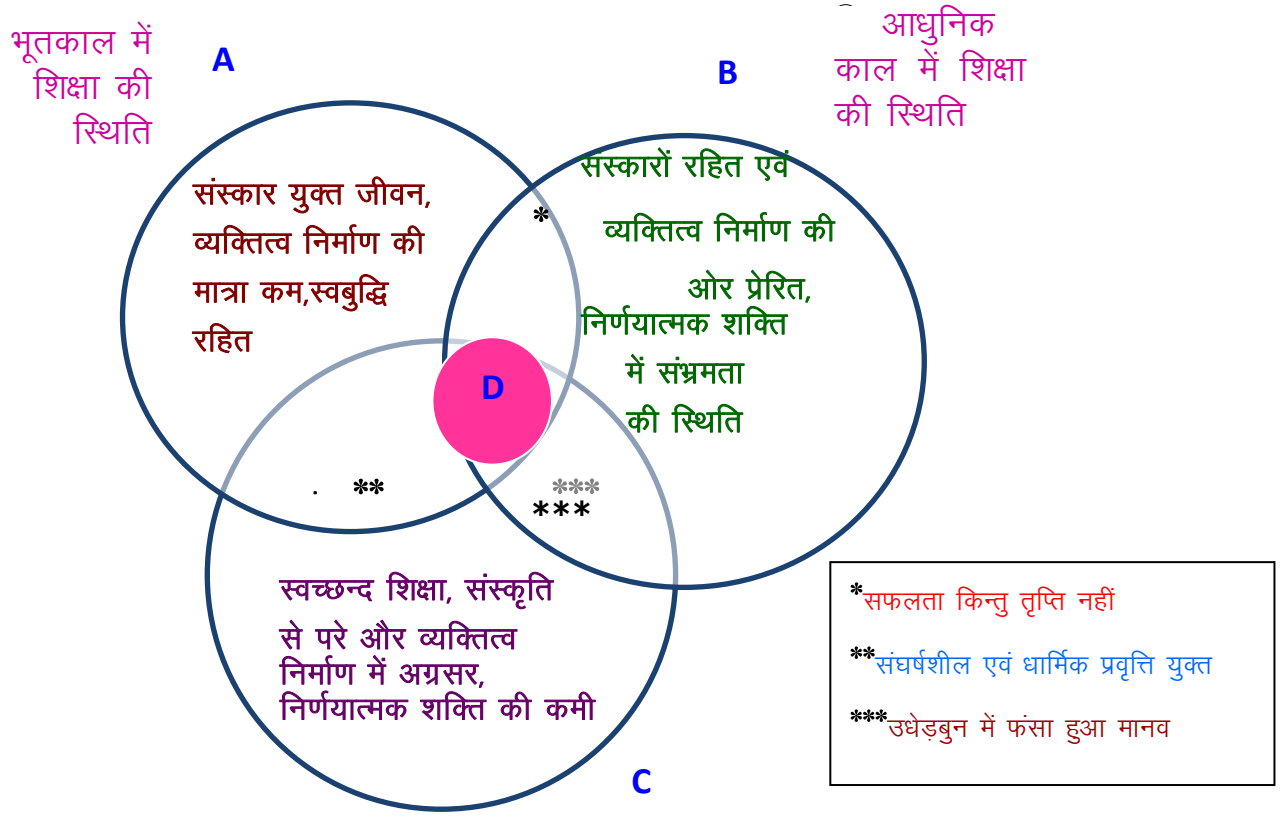


D= A+ B+ C =तीनों की अच्छाइयों का निचोड़।

सन्तुलित, मूल्ययुक्त, धार्मिक, सकारात्मक सोच, परिणामात्मक, गुणात्मक, सुदृढ़ शिक्षा।

**शिक्षा के प्रचार–प्रसार में पत्रकारिता का योगदान**

शिक्षा और पत्रकारिता का आपस में अटूट संबंध है। पत्रकारिता और शिक्षा आपसी संबंध सहज एवं प्रवाहयुक्त होना चाहिए। शिक्षित, योग्य एवं गुणात्मक विकास के लिए पत्रकारिता द्वारा मानव को सुयोग्य रूप में पूर्ण रूप से परिपक्वता के साथ, एक अच्छा नागरिक ही नहीं अपितु एक संस्कारयुक्त मानवीय सभ्यता का एक कुलदीपक के रूप में व्यक्तित्व निर्माण हेतु सहायक होना चाहिए।

A--पहलेशिक्षा गुरुकुल केन्द्रित थी। गुरु को ही सबकुछ समझते थे। माता–पिता के बाद गुरु को ही श्रेष्ठ माना है। गुरु की सेवा में मग्न रहते थे। गुरु और शिष्य के बीच स्वार्थ नहीं था।शिष्य स्वबुद्धि रहित था। जीवन संस्कारयुक्त है।

B--आधुनिक काल में तकनीकी का विकास हुआ, जिसकी वजह से प्रिंट और इलेक्ट्रानिक माध्यम का प्रचलन भी विकसित हुआ। यह शिक्षा के प्रचार–प्रसार में भी मददगार सिद्ध हुआ। विभिन्न विषयों के बारे में समाचार छापकर लोगों को जानकारी देकर शिक्षित एवंयोग्य बनाया । शिक्षण पद्धति में भी प्रगति हुई। इस तरह मानव संस्कार के साथ–साथ व्यक्तित्व निर्माण की ओर अग्रसर हुआ और इसमें निर्णयात्मक शक्ति की कमी और वह एक अधूरापन के साथ जीता रहा।

C--वर्तमान काल में पत्रकारिता के के द्वारा शिक्षा का विकास हुआ। आज के युग में किसी भी विषय पर किसी भी समय किसी भी समाचार के बारे में जानकारी पा सकते हैं। प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया से स्वस्थ एवं स्वच्छन्द शिक्षा का विकास संभव हो पाया है ; किन्तु यंवा वर्ग में एक निर्णयात्मक शक्ति की कमी बनी रही है।

आजकल बड़े–बड़े संस्थानों से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करते हैं लेकिन गुरु की मर्यादा /महीमा में कमी हुई है। अब गुरु–शिष्य के संबंधों में उतनी श्रद्धा

नहीं रह गई। आज कल युवा वर्ग में अधिकार की बात ज्यादा हो गई है, मान्यता की बात कम होती जा रही है। आनेवाली पीढ़ी गुरु की महिमा को भूल जायेगी क्योंकि शिष्य में अहम अधिक है और संस्कार की मात्रा भी कम होती जा रही है। शिक्षित होने के बाद मानव में बढ़प्पन, मानवीय मूल्य, धर्मयुक्त और नैतिकतापूर्ण गुण होने चाहिए। आजकल अपनत्व की भावना नहीं है। मानवीय मूल्य धीरे–धीरे खत्म हो रहे हैं। संस्कृति के प्रति लोगों की मान्यता कम होती जा रही है।हमारे विचारों में परिपक्वता एवं विवेकपूर्ण निर्णय लेनी की शक्ति होनी चाहिए।

D—{D= A+B+C}तीनों की अच्छाइयों का निचोड़

सन्तुलित, मूल्ययुक्त, धार्मिक, सकारात्मक सोच, परिणामात्मक, गुणात्मक, सुदृढ़ शिक्षा प्राप्त करना चाहिए। समाज में प्रचलित अन्याय, अहंकार, विस्फोट आदि के बारे में जानकारी देकर शिक्षा देना, पत्रकारिता का कर्तव्य है। हम किस विचारधारा से किस प्रकार हम मूल्यों का निर्माण करते हैं, वह उसीढंग से ही बन जाते हैं। हर एक छोटे संकल्प का निर्णय प्रतिफलित रूप में बड़ा रू‍प लेता है। हर युग की अच्छाइयों को निचोड़ कर, एक अच्छे भविष्य का निर्माण करना चाहिए। जिस प्रकार जीवन भर की शिक्षा एक दिन रंग लाती है। ठीक उसी तरह मानव समुदाय में परिवर्तन पत्रकारिता द्वारा अधिक आसान, सुदृढ़ और कम खर्चीला है, उसी से संभव है । किसी चीज़ में परिवर्तन लाना उतना आसान नहीं है लेकिन प्रयत्न से सफल हो सकता है। एक दिन ऐसा आएगा कि इतिहास के पन्नों में इसे लिखा जाएगा।

सेवा भाव आगे प्रवृत्त होना चाहिए।

दीप से दीप जलाते चलो,

युग में प्रकाश फैलाते चलो।

सबके सहयोग से ही यह कार्य सफल हो पाएगा। यह पत्रकार द्वारा ही सफल हो सकता है। पत्रकार की कलम इतनी तेज़ होती है कि वह संसार को बदल सकती है। वह इतिहास को भी पलट सकता है। पत्रकार, पत्रकारिता के द्वारा समाज के भविष्य में भी बदलाव ला सकता है।

अंत में इस शोध प्रबन्ध की प्रमुख उपलब्धियों को तथा विशिष्टताओं को निम्नलिखित रूप में रेखांकित किया जा सकता है :

पत्रकारिता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। इससे ही लोग सूचना पाते हैं और शिक्षित होते हैं। पत्रकारिता से ही समाज का मूल्यांकन–पूर्नमूल्यांकन भी किया जाता है। शिक्षा एक कल्प वृक्ष के समान है। लोगों के शिक्षित होने से ही उनके चारित्रिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों का विकास कर सकते हैं। प्रस्तुत शोध प्रबन्ध–''पत्रकारिता, शिक्षा के प्रचार–प्रसार का सशक्त माध्यम – एक समीक्षात्मक अध्ययन'', मैंने यह विषय पहली बार चुना है।

जिस प्रकार हवा, पानी और भोजन मनुष्य के जीवित रहने के लिए ज़रूरी है, ठीक उसी प्रकार जीवनयापन में शिक्षित होना, सूचनाओं का आदान–प्रदान और प्रचार–प्रसार के लिए पत्रकारिता एक अहम भूमिका निभाती है। मैंने इस शोध कार्य में यह प्रस्तुत किया है कि शिक्षा में जो भी नये–आयाम हैं, वे नवीन बढ़ोत्तरी है उन्हें प्रस्तुत करने के लिए पत्रकारिता एक मार्ग दर्शक के रूप में कार्य करती है। भविष्य की कल्पना करके ही हम किसी भी कार्य को निश्चित करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में लिया गया 'आज का निर्णय' 'कल का यथार्थ' बन जाता है। शैक्षिक प्रसारण के अंतर्गत देश के दूरस्थ स्थानों में डिस्टेंस एजूकेशन पद्धति के द्वारा अनेक शैक्षणिक कार्यक्रम चलाए जाते हैं। जिसमें भाषा, साहित्य, तकनीकी, विपणन, व्यापार, शिक्षा एवं विज्ञापन जैसे अनेक विषयों को प्रस्तुत

करते हैं। पत्रकारिता और शिक्षा का अन्योन्याश्रित संबंध, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के द्वारा लोगों को विभिन्न आयामों के द्वारा शिक्षित कर सकते हैं।

आगामी भविष्य में पत्रकारिता को सभी विद्यार्थियों के लिए शिक्षा संस्थानों में अनिवार्य पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पढ़ाया जाना चाहिए, जिससे शिक्षा का प्रचार–प्रसार, हमारे संस्कार, मानव व नैतिक मूल्यों के प्रति जागरण हमेशा बना रहे। विद्यार्थियों द्वारा लिखी गयी कहानी, कविता और उनके द्वारा बनाये गये चुटकुले, रंग–बिरंगे चित्रों को रोज़ पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित करना चाहिए। इसे इंटरनेट में आन लाइन सुविधा भी देनी चाहिए। जिससे वह अपनी उत्सुकता बढ़ाए और अधिक सृजनशील भी बने । संगणक के बारे में अधिक से अधिक जानकारी पाने के लिए संगणक केन्द्र खोलने चाहिए। सरकार द्वारा मुफ्त या कम शुल्क आयोजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण देना चाहिए। इसका लाभ यह होता है कि प्रशिक्षण के साथ–साथ शिक्षित भी होते हैं, जिससे नवजागरण लाया जा सकता है। शिक्षा से संबंधित सेमिनार, परिचर्चाओं का भी आयोजन करना चाहिए, जिससे वे अपने विचारों को प्रस्तुत कर सके और दूसरों के विचारों को भी जान सकें। इस प्रकार चिंतन एवं मनन की प्रक्रिया जारी रहती है।

भविष्य में निम्न विषयों पर शोध किया जा सकता है–

- ❖ शिक्षा का व्यक्तित्व निर्माण में योगदान
- ❖ आधुनिक तकनीक और पत्रकारिता
- ❖ इंटरनेट पत्रकारिता द्वारा शिक्षा का प्रचार–प्रसार

सार रूप में शिक्षा और व्यक्तित्व के विकास करने में पत्रकारिता अहम् भूमिका निभाती है। वह मानव को और अधिक पुष्ट बनाते हुए उसके सौंदर्य में एक निखार लाती है। इस भागते हुए संसार में खुद के जीवन को मूल्यों के साथ, और सार्थकता के साथ निभाने में उसे परिपक्वता प्रदान करती है। मनुष्य

को दृढ़ता के साथ धैर्य,साहस और चुनौतियों से जूझने की ताकत प्रदान कर उसे सारयुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है।

**शिक्षा स्वतंत्रता के स्वर्ण द्वार खोलने के कुँजी है।**

**Education is the key to unlock the golden door of freedom.**

## सहायक ग्रंथ–सूची एवं अन्य सहायक स्त्रोत

1.अनौपचारिक शिक्षा सिद्धांत और व्यवहार, डॉ. राजेन्द्रमोहन भटनागर, दक्ष प्रकाशन, दिल्ली– 110 007, 2007
2.अनुवाद और तत्काल भाषांतरण, विमलेश कांति वर्मा, मालती,सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, 2009
3.आर्थिक पत्रकारिता, आलोक पुराणिक, प्रभात प्रकाशन, 4/19, आसफ अली रोड, नई दिल्ली– 110 002
4.आधुनिक हिन्दी निबन्ध, डॉ.त्रिलोकीनारायण दीक्षित, प्रकाशन केन्द्र, डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग, सीतापुर रोड, लखनऊ–226 020
5.आधुनिक हिन्दी साहित्य में जनवादी चेतना, विद्याश्री, अमन प्रकाशन, कानपुर–12, 2010
6.आधुनिक पत्रकारिता, डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी–221 002, 2004
7.आधुनिक भारत में शिक्षा, हरिश्चन्द्र व्यास, कैलाशचन्द्र व्यास, आदर्श प्रकाशन मन्दिर, दाऊजी रोड़, बीकानेर , 2007
8.आधुनिक पत्रकारिता प्रभाव एवं कार्य, विजय शर्मा, अशिका पब्लिशिंग हाउस, जयपुर, 2011
9.आधुनिक हिन्दी निबन्ध, डॉ. भुवनेश्वरी चरण सक्सेना, प्रकाशन केन्द्र, लखनाऊ, 1900
10.आधुनिक संचार व्यवस्था का विकास, मणी दीपा विन्ध्यवासिनी, पुष्प प्रकाशन, 821–बी गुरू रामदास, नगर एक्सटेंशन,चौथी मंजिल, लक्ष्मी नगर,दिल्ली–92, 2009
11.इंटरनेट क्या ? क्यों ? और कैसे ? , अमित कुमार मिश्र, विक्रम प्रकाशन, दिल्ली–110051, 2011
12.इंटरनेट और आधुनिक पुस्तकालय, डॉ. शंकर सिंह, आर. के. ऑफसेट, दिल्ली– 110 032
13.इंटरनेट पत्रकारिता, विनय श्रीवास्तव, डीम बुक सर्विस, दिल्ली– 110 032, 2009
14.इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन, डॉ. हरीश अरोडा, के.के.पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली– 110 002 , 2009
15.इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, पी. के. आर्य, पतिभा प्रतिष्ठान, 1661 देखनीराय स्ट्रभ्ट, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली– 110 002, 2006

16.कम्प्यूटर के चमत्कार, डॉ.सी. एल गर्ग, लोकप्रिय प्रकाशन, दिल्ली–110 051, 2005
17.कम्प्यूटर अनुवाद, नीता गुप्ता, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली–110 001, 2004
18.खेल पत्रकारिता, संशील दोषी, सुरेश कौशिक, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, जी– 17, जगतपुरी, दिल्ली – 110 051, 2003
19.ग्लोबल मीडिया टेलिविजन, विजय शर्मा, इशिका पब्लिशिंग हाउस, जायपुर, 2012
20.जनसम्पर्क–सिद्धान्त और व्यवहार, डॉ. अर्जुन तिवारी, विमलेश तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी– 221 001, 2007
21.जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता सर्वांग , डॉ. जितेन्द्र वत्स, डॉ. किरणबाला, अमर प्रकाशन, उत्तर प्रदेश, 2009
22.जनसंचारः कल, आज और कल, चंद्रकांत सरदाना, कृ. शि. मेहता ज्ञान गंगा, दिल्ली, 2004
23.जनसंचार और पत्रकारिता एन.पी. चतुर्वेदी, पोइन्टर पब्लिशर्स, जयपुर–302003, 2005
24.जनसम्पर्क, पत्रकारिता और सूचना क्रांति, एम.के गुप्ता, आविष्कार पब्लिशर्स, जयपुर–302003,2005
25.जनसंचार के सामाजिक संदर्भ, जवरीमल्ल पारख, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लिमिटेड, दरियांगज, नई दिल्ली– 110002
26.जनसम्पर्क विज्ञापन एवं प्रसार माध्यम , एन.सी.पंत, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–2, 2004
27.जनसंचारः बदलते परिप्रेक्ष्य में,बलबीर कुन्दरा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–2, 2009
28.देसी सूचना विकास पत्रकारिता को पुष्ट करती वेबदुनिया, डॉ. कुलदीप शर्मा, ब्राठट बुक्स, दिल्ली–110051, 2011
29.नया मीडिया और नये मुद्दे, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली– 110 002, 2009
30.पत्रकारिता के नये आयाम, एस.के दुबे,लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
31.पत्रकारिता और समाज, डॉ. यू. सी. गुप्ता, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली– 110002, 2009

32.पत्रकारिता समस्या और समाधान, डॉ. सुजाता वर्मा, आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2006
33.पत्रकारिता प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि, डॉ. स्मिता मिश्र, भारत पुस्तक भण्डार,दिल्ली–110094, 2002
34.पत्रकारिता और पत्रकारिता , डॉ. अरूण जैन, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली, 1998
35.पत्रकार और पत्रकारिता प्रशिक्षण, अरविन्द मोहन, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली–110002, 2005
36.पत्रकारिता का संसार और हिन्दी उपन्यास, डॉ. षीना मनोज, जवाहर पुस्तकालय, हिन्दी पुस्तक प्रकाशन एवं वितरक, मथुरा, उत्तर प्रदेश, 2011
37.पत्रकारिता के बदलते तेवर, डॉ. वसुंधरा मिश्र, इन्स्टीट्यूट ऑफ मीडिया मैनेजमेंट, बीकानेर, 2008
38.पत्रकारिता का इतिहास, एन.सी.पंत, तक्षशिला प्रकाशन, दरियांगज, नई दिल्ली–110002, 2002
39.पत्रकारिता दशा एवं दिशा, प्रो.पी.के आर्य, आविष्कार पब्लिशर्स, जयपुर–302003, 2007
40.पत्रकारिता सिद्धान्त एवं स्वरूप, डॉ. रमेश त्रिपाठी, राधा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली–110002, 1995
41.प्रिंट और इलेक्ट्रनिक मीडिया, चेतना भाटिया, अनुराग प्रकाशन, नई दिल्ली, 110002, 2008
42.पत्रकारिता और साहित्य, डॉ. शान्ति विश्वनाथन, जवाहर पुस्तकालय, हिन्दी पुस्तक प्रकाशन एवं वितरक, मथुरा, 2009
43.पत्रकारिता प्रशिक्षण, डॉ. राजेन्द्र मिश्र, राकेश शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, 2004
44.प्राथमिक शिक्षा ज्योति, डॉ. संतशरण शर्मा, अमर प्रकाशन, मथुरा–281001, 2010
45.पत्रकारिताः सिद्धान्त और प्रयोग, डॉ. लक्ष्मीकान्त पाण्डेय, साहित्य रत्नालय, कानपुर–200802, 1995
46.पत्रकारिता हेतु लेखन, डॉ. निशांत सिंह, अर्चना पब्लिकेशन, दिल्ली– 110012, 2008
47.पाठकों की पत्रकारिता, आनन्द शर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बड़ा बाजार बरेली
48.पर्यावरण अध्ययन शिक्षण, संजय दत्ता, स्वास्तिक पब्लिशर्स, जयपुर, 2009

49.पत्रकारिताः एक परिचय, संदीप कुमार श्रीवास्तव जय भारती प्रकाशन, 267 बी, माया प्रेस रोह, इलाहाबाद–211003, 2006
50.पत्रकारिता : एक परिचय, डॉ. मधुधवन, बोध प्रकाशन, मद्रास–600079
51.प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ.लक्ष्माकान्त पाण्डेय, डॉ. प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2006
52.पत्रकारिता के विविध आयाम, डॉ. राजेन्द्र मिश्र, डॉ. देवीसिंह राठौर, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली– 110002, 2003
53.बाल–शिक्षण की आदर्श विधियाँ, निर्मला कुलापति, जनवाणी प्रकाशन, प्रा. लि, दिल्ली–110032, 2000
54.बढ़ती जनसंख्या और शिक्षा, भारतेन्दु मिश्र विक्रम प्रकाशन, 2001
55.भारत में पत्रकारिता, आलोक मेहता, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, 2006
56.भाषा और प्रौद्योगिकी, डॉ. विनोद कुमार प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली–110002, 2008
57. भूमंडलीकरण और मीडिया, कुमुद शर्मा, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली, 2003
58. भारतीय शिक्षा प्रणाली, निशा द्विवेदी, डॉ. गोपाल कृष्ण शेवड़े, मनीष प्रकाशन, दिल्ली– 110053, 2005
59.भारतीय शिक्षा का इतिहास 'स्वतन्त्रता पश्चात्, मुंशी राजा, मीरा पब्लिकेशन, दिल्ली–110092, 2010
60.भारत में भ्रष्टाचार और उससे मुकाबला संतोष कुमार अग्रवाल, राधा पब्लिकेशन्स, 4231/1, अंसारी रोड, दरियांगज, नई दिल्ली–110002, 2007
61.मीडिया अनुसंधान, डॉ. राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–110002, 2009
62.मीडिया और हिन्दी, डॉ. मधुखराटे, डॉ. हणमंतराव पाटील, प्रो. राजेन्द्र सोनवर्ण, विद्या प्रकाशन, कानपुर–22, 2008
63.मीडिया मंथन, डॉ. राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–110002, 2009
64.मीडिया लेखन, सुमित मोहन, नवोदय सेल्स, नई दिल्ली–110002, 2005
65.माडिया और प्रसारण, डॉ. रमेश मेहरा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–110002, 2007
66.मीडिया लेखन के सिद्धान्त, एन.सी.पंत, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–110002, 2007

67.मीडिया मिथ्स और मूल्य, देवेन्द्र इस्सर, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, के– 71, कृष्णनगर, दिल्ली–110051, 2008
68.मीडियाः मिशन से बाज़ारीकरण तक, रामशरण जोशी, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर, 2008
69.राष्ट्रीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता, डॉ.मीरा रानी बल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली– 110002, 2005
70.राष्ट्रीय शिक्षा का आदर्श, आचार्य काका साहब, कालेलवर, गांधी हिन्दुस्तानी साहित्य सभा, नई दिल्ली– 110002, 2006
71.वैश्वीकरण, मीडिया और समाज, रामगोपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर–302003
72.व्यवाहारिक पत्रकारिता, डॉ. मुश्ताक अली, साहित्य संगम, इलाहाबाद, 2007
73.शैक्षिक परिवर्तनों की परख, जे.एस. राजपूत यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली
74.शिक्षा, शिक्षार्थी और शिक्षक, डॉ. रामपालसिंह, कलासन प्रकाशन, कल्याणी भवन, बीकानेर, 2003
75.शिक्षाः वर्तमान सन्दर्भ में, प्रो. रामशकल पाण्डेय, विकल्प प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
76.शिक्षा, समानता और समाज, बाल्मीकि महेता, आधार प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, पंचकुला –134113 हरियाणा, 2012
77.शिक्षा की आवश्यकताएँ, डॉ.नरेश कुमार, विज्ञान भारती, बी– 78, सेर्यनगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 2001
78.शिक्षा, दिशा और दृष्टिकोण, डॉ.शंकर दयाल शर्मा, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली– 1100030, 2004
79.शिक्षा एवं इतिहास, परिवर्तन की चुनौतियाँ, जगमोहन सिंह राजपूत, किताबघर प्रकाशन, 4855–56/21, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110002, 2007
80.शिक्षा सिद्धान्त एवं आधुनिक भारत की शिक्षा, डॉ. महेन्द्र कुमार मिश्र, यूनिवर्सिटी बुक हाउस प्राइवेट लि, जयपुर, 2008
81.शिक्षा की बजाय, जॉन होल्ट, अंग्रेज़ी से अनुवाद, सुशील जोशी, एकलव्य, ई–10, बीडीए कॉलानी शंकर नगर, भोपाल–462016
82.शिक्षा कैसी हो, पवित्र कुमार शर्मा, ग्लोबल एक्सचेंज पब्लिशर्स, 2007
83.साहित्य, शिक्षा और सामाजिक सरोकार, डॉ. नेरन्द्र शर्मा, 'कुसुम', श्रुति पब्लिकेशन्स, जयपुर–302005, 2010

84.समाचार–लेखन के सिद्धान्त और तकनीक, संजीव भानावत, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स, जयपुर
85.सूचना क्रांति और विश्व भाषा हिन्दी, प्रो. हरिमोहन,तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली–110002, 2004
86.सूचना प्रौद्योगिकी, सुजित मिश्रा, पवन पब्लिकेशन, नई दिल्ली–45, 2009
87.सत्ता, साहित्य और पत्रकारिता, आलोक पाण्डेय, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद–500095, 2009
88.सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार –पत्र, रवीन्द्र शुक्ल, राधाकृष्ण, नई दिल्ली, 2007
89.सम्पूर्ण पत्रकारिता , डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी–221001, 2005
90.संचार क्रांति और विश्व जनमाध्यम, डॉ. अनिल अंकित, भारत बुक सेण्टर, लखनऊ
91.समाचार संकलन एवं संपादन, विजय शर्मा, इशिका पब्लिशिंग हाउस, जयपुर, 2012
92.साइबर–स्पेस और मीडिया सुधीश पचोरी, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली– 30, 2000
93.समाचार चयन, राजेन्द्र राही, संजय बुक सेन्टर, के. 38/6, गोलघर, वाराणसी–221001, 2003
94.सूचना प्रौद्योगिकी की रोचक बातें,देवव्रत द्विवेदी ,अचैना पब्लिकेशन, 9, महिलाग्राम कालोनी, सूबेदारगंज, इलाहाबाद, 2007
95.साहित्यिक पत्रकारिता और संपादकीय पृष्ठ लेखन, राजनाथ सिंह 'सूर्य', गोविन्द पचौरी, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा–281001, 2009
96.समाचार और जनसंपर्क, शैलेन्द्र सेंटर, अमन बुक सेन्टर, दिल्ली–110053, 2008
97.समाचार संकल्पना एवं अनुवाद, अमी आधार 'निडर' ।
98.हिन्दी पत्रकारिता की दिशाएँ, जोगेन्द्र सिंह, सुरेन्द्रकुमार एण्ड सन्ज़, दिल्ली–110032, 2004
99.हिन्दी पत्रकारिता का बाजार भाव, जवाहरलाल कौल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली–110002, 2000
100.हिन्दी पत्रकारिताः विविध आयाम, एल के मिश्र, साधना एंड सन्स, दिल्ली–110053, 2007

101.हिन्दी पत्रकारिताः इतिहास एवं संरचना, प्रो. रमेश जैन, आविष्कार पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, जयपुर, 2006
102.हिन्दी पत्रकारिता का समकालीन विमर्श, डॉ. शिवनारायण, डॉ. सिद्धेश्वर काश्यप, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली– 110053, 2008
103.हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार, डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलो', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004
104.हिन्दी पत्रकारिता कल, आज और कल, डॉ. प्रणव शर्मा, डॉ.पुनीत बिसरिया, अमर प्रकाशन, लोनी, गाजियाबाद, 2010
105.हिन्दी शिक्षण, डॉ. कृष्णबीर सिंह, यूनिवर्सिटी बुक हाउस प्रा.लि, जयपुर, 2011
106.हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम, डॉ. जितेंद्र वत्स, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली–110094, 2008

## पत्र–पत्रिकाएँ

- संचार समन्वय, समन्वय निदेशालय पुलिस बेतार, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली– 110003
- वाग्प्रवाह, 'स्वास्तिक' 3/124, विराट खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010
- आगम सोची, सौरभ नगर रीवा, मध्य प्रदेश–486001
- सुलभ इंडिया,83,महावीर इन्क्लेव, पालम–डाबड़ी मार्ग,नई दिल्ली–45

## समाचार पत्र

1.दि टाइम्स ऑफ इण्डिया
2.दि हिन्दू
3.मलायल मनोरमा
4.नवभारत टाइमस

## वेबसाइट

1.www.wikipedia.com
2.www. Brainyquotes.com
3.www. Google.com
4.www.Hindiquotations.com

## विभिन्न पत्रकारों एवं मीडिया के लोगों से साक्षात्कार

1-Mr.Adarsh Jain, Correspondent, The Times of India.
2- Miss. Sangeetha, Special correspondent, The Times of India.
3- Mr. Jack, Photographer, The Times of India.
4-Mr.Markose Abraham, Chief News Editor, Malayala Manorama.
5-Mr.E.Somnath, Special Correspondent, Malayala Manorama.
6-Mr.Rajeev Devraj, M.M. Tv Ltd, Regional Studio.
7-Mr.Palaniappan, Special Correspondent, The Hindu.
8- Dr. Indraraj Bail, All India Radio, Sevanivrath.

## अंग्रेज़ी पुस्तक

1.Basic Journalism, Parthasarathy.R, Rajiv beri for Macmillan India Limited, New Delhi.
2.Art of Reporting- Manohar Puri, Pragun Publications, New Delhi, 2006.
3. Journalism and Electronic Media, S.K. Bansai, A.P.H. Publishing Corporation, New Delhi.
4. Modern media and Communication, M.K. Joseph, Anmol Publications, New Delhi, 1996.
5. Encyclopedia Britannnica
6. The World book Encyclopedia, World Book, Inc, 1989.